हुई घर घर में जय जयकार रे

हुई घर घर में जय जयकार रे

हुई, घर घर में, जय जयकार रे,
आया, गण पति का, त्योहार रे ॥

ऊँचा, आसन लगाओ,
उस पे, देवा बिठाओ ॥
तेरी, सेवा में, सारा संसार रे,
आया, गण पति का, त्योहार रे ॥
हुई, घर घर में, जय जयकार रे...

पहलें, चरण धुलाओ, दीया ज्योत जगाओ ॥
केसर, रौली का, तिलक लगाओ रे,
आया, गण पति का, त्योहार रे ॥
हुई, घर घर में, जय जयकार रे...

फूल, माला चढ़ाओ,
लड्डू, भोग लगाओ ॥
रिद्धि, सिद्धि के, तुम करतार रे,
आया, गण पति का, त्योहार रे ॥
हुई, घर घर में, जय जयकार रे...

एक, दंत कहें, दयावन्त कहें ॥
आया, मूषक पे, हो के स्वर रे,
आया, गण पति का, त्योहार रे ॥
हुई, घर घर में, जय जयकार रे...

मन्नत, पूर्ण करो, सबकी, झोली भरो ॥
सारे, जग के, तुम भर्तार रे,
आया, गण पति का, त्योहार रे ॥
हुई, घर घर में, जय जयकार रे...

नाची, मन में उमंग,
भरा, खुशियों ने रंग ॥
गूंजी, गण पत, तेरी जयकार रे,
आया, गण पति का, त्योहार रे ॥
हुई, घर घर में, जय जयकार रे...

शंख, अंकुश लिए आए,
कमल, पाश लिए आए ॥
आए, मूषक पे, हो के सवार रे,

आया, गण पति का, त्योहार रे ॥
हुई, घर घर में, जय जयकार रे...

शिव, फूले ना समाए,
गौरां, वारी वारी जाए ॥
आए, जग के, पालनहार रे,
आया, गण पति का, त्योहार रे ॥
हुई, घर घर में, जय जयकार रे...

अपलोडर- अनिलरामूर्तिभोपाल

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/35590/title/huyi-ghar-ghar-mein-jai-jaikar-re

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |